GOVT V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG (C.G.)

(Former Name- Govt.Arts& Science College, Durg)
Phone No 0788-2359688 Fax No 0788-2212030
Website-w w w.govtsciencecollegedurg.ac.in. Email- pprinci2010@gmail.c

DEPARTMENT OF HISTORY

TWO WEEK WORKSOP
ON
Bamboo Art Training Workshop

Programme . Value Added (Skill Enhancement Programme)

REPORT

The Department of History organized two week workshop on Terracota Art for UG &PG students of the college from 20 February – 3 March 2023.The training Programme was inauguratedon 20th February 2023 and closing ceremony was held on 13 April 2023.

Objectives of the workshop

1. **To acquaint students about rich regional art.**
2. **Training for promotion of our traditional popular art.**
3. **Skill development of students for self-employment.**

About 57 students attended the workshop. All the participants enjoyed the workshop. Overall, the workshop was successful andparticipants acquired the knowledge of rich regional art of Chhattisgarh.

Programme Schedule – 47 Hours

S.No.	Date	Training Schedule	Hours
01	20 February 2023	General Introduction about the course & Information about the materials required for it.	03 Hours
02	21-25 February 2023	Structure preparation	04 Hours each day 5x4 = (Total 20 Hours)
03	26-28 February 2023	Training to decorate it with fine bamboo sticks and blades.	04 Hours each day 3x4 (Total 12 Hours)
04	1-3 March 2023	Filling the gaps & Colouring	04 Hours each day 3x4 (Total 12 Hours)
		Total	47 Hours

GPS Map Camera
Malviya Nagar, Chhattisgarh, India
57WW+GVH, Deepak Nagar, Malviya Nagar, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196411°
Long 81.297107°
22/02/23 12:22 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Malviya Nagar, Chhattisgarh, India
57WW+GVH, Deepak Nagar, Malviya Nagar, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196412°
Long 81.297196°
23/02/23 01:33 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Malviya Nagar, Chhattisgarh, India
57WW+GVH, Deepak Nagar, Malviya Nagar, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196412°
Long 81.297196°
27/02/23 01:29 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Malviya Nagar, Chhattisgarh, India
57WW+GVH, Deepak Nagar, Malviya Nagar, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196412°
Long 81.297196°
28/02/23 01:27 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Malviya Nagar, Chhattisgarh, India
57WW+GVH, Deepak Nagar, Malviya Nagar, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196412°
Long 81.297196°
27/02/23 01:30 PM GMT +05:30

Durg,CT,India
Malviya Nagar, Durg, 491001, CT, India
Lat 21.196146, Long 81.297732
03/03/2023 02:46 PM GMT+05:30

दैनिक भास्कर

कौशल विकास • साइंस कॉलेज में हुनरमंद बनाने के उद्देश्य से विद्यार्थियों को सिखाई जा रही है कलाकृतियां बनाना

बांस शिल्प में छात्र-छात्राओं ने ढाले गिरौधपुरी और भोरमदेव मंदिर समेत छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक स्थल

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

राज्य के ऐतिहासिक, पौराणिक और धार्मिक मान्यताओं को साकार करने, नई पीढ़ी को उसका महत्व बताने और बच्चों को हुनरमंद बनाने के उद्देश्य से साइंस कॉलेज में विद्यार्थियों को बांस शिल्प से कलाकृतियां बनाना सिखाया जा रहा है। इस 10 दिनी कार्यशाला में उन्हें ...स्थित भोरमदेव, राजिम ...स्थित राजीव लोचन मंदिर, गिरौधपुरी का जैतखाम बनाया जा रहा है। साथ ही इंडिया गेट, महात्मा गांधी की दांडी यात्रा, कृषि के परंपरागत औजार समेत सजावटी सामान को आकार दिया जा रहा है। साथ ही पर्यावरण एवं स्वास्थ्य ...क्षण की दृष्टि से बांस से बोतल ... मग भी बनाए जा रहे हैं। ...वासी संस्कृति के संवर्धन के ... जनजातीय आकृतियों को भी ...से उकेरना सिखाया जा रहा है।

पुरातात्विक धरोहरों के इतिहास के बारे में भी जानने का मौका मिलेगा

साइंस कॉलेज में कौशल विकास के तहत दे रहे बांस शिल्प का प्रशिक्षण।

विद्यार्थियों ने राजीव लोचन मंदिर और भोरमदेव मंदिर के कलाकृति बनाई।

सभी संकायों के विद्यार्थी सीख रहे कलाकृतियां बनाना

कॉलेज में पढ़ रहे सभी संकाय के विद्यार्थी बांस शिल्प की बारीकियां सीख रहे हैं। इसमें कला विषयों के साथ विज्ञान और वाणिज्य के विद्यार्थी भी उसमें काफी रुचि ले रहे हैं। बांस शिल्प कलाकार रामकुमार पटेल एवं उनके सहयोगी शुभम वर्मा के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं को बांस शिल्प की बारीकियां सिखाई जा रही है। इसमें कलाकृति के अनुसार बांस चुनना, फिर उसे तराशना और चिपकाकर उसे अपनी मनपसंद आकृति प्रदान करना बता रहे हैं।

छग की कला-संस्कृति और ऐतिहासिक जानकारी मिलेगी

संस्था के प्राचार्य डॉ. आरएन सिंह ने बताया कि बांस शिल्प से बच्चे राज्य की संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहरों को उकेर रहे हैं। इससे न केवल उन्हें छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और पुरातात्विक धरोहरों की सही जानकारी मिल सकेगी, बल्कि उन्हें रोजगार का एक साधन भी मिल सकेगा। पढ़ाई और डिग्री के साथ उनके हाथों में बांस शिल्प बनाने का हुनर भी होगा। इससे विद्यार्थी को जानकारी मिलेगी।

स्वरोजगार के रूप में भी अपना सकेंगे विद्यार्थी

इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार पांडेय ने बताया कि इस प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को अपने भीतर हुनर विकसित करने का मौका मिलेगा। इस कला को सीखने के बाद वह चाहें तो इससे खुद के लिए स्वरोजगार स्थापित कर सकेंगे। साथ ही दूसरों को रोजगार भी दे सकेंगे। इसी उद्देश्य से छात्र-छात्राओं को बांस शिल्प के सारे तथ्य बताए जा रहे हैं। इसे विद्यार्थी बड़ी लगन से रुचि लेकर सीख रहे हैं। साथ ही अपनी कलात्मकता और कल्पना शक्ति का परिचय दे रहे हैं। इस कला का लाभ ये विद्यार्थी जीवन भर उठा सकेंगे। साथ ही अपने साथियों और अन्य लोगों को भी सिखा सकेंगे। इसी उद्देश्य से उन्हें प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

खास महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित विविध शिल्प कलाओं की मनोहारी प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में आयोजित बास शिल्प एवं पुरातात्विक प्रतिकृति प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ समापन समारोह

रिपोर्ट: रवि प्रकाश ताम्रकार

दुर्ग (दबंग केसरी) दिनांक 1304.2023 को शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित पुरातात्विक प्रतिकृति प्रशिक्षण कार्यशाला एवं वास शिल्प प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह उच्च शिक्षा विभाग की आयुक्त श्रीमती शारदा दमा के मुख्य आतिथ्य एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर एन सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। साथ ही महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित विविध शिल्प कलाओं की मनोहारी प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी। पुरातात्विक प्रतिकृति के प्रशिक्षक कलाकार श्री रामशरण प्रजापति एवं श्री राजेन्द्र सुंदरिया, मटपरई प्रशिक्षक ग्राम डुमरडीह के अभिषेक सपन एवं बांस शिल्प के प्रशिक्षक श्री राम शुमार पटल एवं उनके सहयोगी शुभम साहू तथा टेराकोटा एवं सेरेमिक आर्ट की प्रशिक्षक कु प्रज्ञा नेमा को उनके सहयोग के लिए इतिहास विभाग द्वारा सम्मानित

किया गया। इतिहास विभाग में विशिष्ट योगदान हेतु प्रियम वैष्णव वैष्णवी याग्निक एवं प्रज्ञा नमः को भी सम्मानित किया गया। कार्यशाला के प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं प्राध्यापको को प्रमाणपत्र प्रदान किये गए। मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा आयुक्त श्रीमती शारदा वर्मा ने अपने उदबोधन में कहा कि इतिहास विभाग द्वारा आयोजित विविध शिल्प कलाओं में निर्मित कलाकृतियों के अवलोकन से सुखद अनुभूति हुई। महाविद्यालय नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार के माध्यम से विद्यार्थीयों में स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने हेतु निरन्तर प्रयास कर रहा है। कार्यशाला के माध्यम से हम अपनी कला संस्कृति को समझने एवं उनको संरक्षित करने में सफल होंगे। इसके लिये महाविद्यालय प्रशासन एवं इतिहास विभाग के प्रयास की उन्होंने प्रशंसा की स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार पांडेय ने बताया कि नई शिक्षा नीति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए कौशल विकास एवं फैकल्टी डेवेलोपमेंट कार्यशाला का आयोजन किया गया। पुरातात्विक प्रतिकृति, बास शिल्प, मटपरई शिल्प एवं टेराकोटा शिल्प प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को छग की स्थानीय कला से परिचित कराने उनको संरक्षित करने एवं विद्यार्थियों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने हेतु विभाग निरंतर कार्यशालाओं का आयोजन कर रहा हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक, डॉ. आर. एन. सिंह ने अपने उदबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति एवं राजगार मूलक कार्यक्रम महाविद्यालय में इतिहास विभाग के द्वारा सतत् किये जा रहे हैं और इससे विद्यार्थियों को स्वराजगार के लिय प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही उनको लोक संस्कृति से भी परिचित कराया जा रहा है और इसके लिये महाविद्यालय एक डिप्लोमा कोर्स शुरू करने जा रहा हैं ताकि विद्यार्थियों को इस तरह का प्रशिक्षण नियमित मिलता रहे महाविद्यालय में कला 1 एवं पुरातत्व पर आधारित एक संग्रहालय स्थापित करने की भी इच्छा उन्होंने व्यक्त की। कार्यक्रम में आई क्यू ए सी की कोडिनेटर प्रो. जगजीत कौर सलुजा, प्रो. अनुपमा अस्थाना, प्रो. पदमावती प्रो. अजय सिंह, प्रो. आर. एस. सिंह, प्रो. श्रीनिवास देशमुख प्रो. शकील हुसैन डा. विनाद अहिरवार डा. के. पदमावती तथा अन्य प्रध्यापक, कर्मचारी एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों के साथ अन्य संकायों के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन विभाग का प्रध्यापक डॉ ज्योति धारकर ने दिया।